6 Feb. 2013

hindustan

PATNA / LATE CITY ₹5.00 Regd No PT 383 Vol. 28 No31 18 pages

NIFTY 5,956.9 -30.4 SENSEX 19,659.8 -91.4 DOW JONES 13,880.1 -129.7 NASDAQ 3,131.2 -47.9 RUPEE/$ 53.1 +0.2 RUPEE/EURO 7

MoU signed to up sugar productio

Anil Kumar
anil.kumar@hindustantimes.com

PATNA: Bihar signed a memorandum of understanding (MoU) with Indian Sugarcane Research Institute, (ISRI), Lucknow, on Tuesday to develop a new variety of breeder seeds that would be suitable for the local climatic conditions, increase yield and improve the rate of sugar recovery.

Signing the first of its kind MoU in the presence of cane minister Awadhesh Kushwaha, departmental principal secretary Sudhir Kumar said, "The agricultural roadmap envisages good quality of breeder seeds that would increase the recovery rate of sugar from the expected 9.2% this year to 13 % by 2016-17. As SRI, Pusa, has not been able to develop new varieties owing to constraints, we are entering into an understanding to produce 12,500 quintals of breeder seeds for a period of five years."

Kumar said, the ISRI would start the production of quality breeder seeds on a 50 hectare tract of land, carved out of Harinagar and regional research institute at Motipur, from autumn season. "The breeder seeds would be converted into foundation seeds in the ratio of 1:10 by the sugar mills and registered farmers, who would again multiply the foundation seeds in 1.10 ratios to produce certified seeds," he said.

Handing over an upfront cheque of ₹1.85 crore on the occasion, Kumar said though the sugarcane production at 71.70 MT per hectare was a shade better than the national average of 70, it was still way behind states like Maharashtra and Tamil Nadu (114MT per hectare). "Besides the emphasis on yield and recovery, the ISRI will also carry out research for developing a suitable variety of sugarcane adaptable to local climatic conditions and higher sucrose content," he said.

Director of ISRI, Lucknow, said that Sugar Vision 2030 also envisages increasing the national average yield to 110 MT per hectare and the recovery rate to 11%. "The new variety of seeds, yet to be named, will reach the farmers in two years," he said.

Bihar to increase acreage

IN view of the fact, that the need to increase acreage of sugarcane has been necessitated with the revival of sugar mills, Bihar is to cover 3.22 lakh hectare in 2013-14 as against 2.92 lakh hectare in the last fiscal.

It has decided to provide 16.25 lakh quintal certified seeds at subsidised rates to farmers during 2013-14. While a total of 16,250 quintal of breeder seeds would be required to meet the target, ISRI will be providing 12,500 quintal and SRI, Pusa, would chip in with 3,750 quintals.

Though the per capita sugar consumption in urban and rural areas of the state at 9.6 kg and 8.4 kg respectively has been much below the national average of 19 kgs, the overall requirement of 8 lakh MT of sugar by 2016-17 would be met by the local sugar mills. While 4.5 lakh MT of sugar was produced last year, it is expected that the crushing of 60 lakh MT of sugarcane would result in the production of 5.5 lakh MT sugar this year, said Sudhir Kumar, principal secretary, sugarcane department.

प्रभात खबर

बिहार जागे ... देश आगे

बुधवार

पटना, 6 फरवरी, 2013

माघ कृष्ण 11 संवत 2069

पृष्ठ : 20

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3

उन्नत गन्ना बीज के लिए लखनऊ के संस्थान से करार

पटना ■ वर्ष 2016-17 तक बिहार में सालाना आठ लाख टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य है. इसके लिए ईख की खेती का एरिया व प्रति क्विंटल ईख पर चीनी उत्पादन की क्षमता दोनों को बढ़ाया जायेगा. इसी क्रम में उन्नत प्रजनक बीज उत्पादन के लिए गन्ना उद्योग विभाग व लखनऊ स्थित भारतीय ईख अनुसंधान संस्थान से पांच साल के लिए करार हुआ. यह संस्थान मोतीपुर स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र व हरिनगर चीनी मिल के 50 हेक्टेयर में प्रजनक बीज का उत्पादन करेगी. इसके लिए पहले वर्ष के लिए संस्थान को एक करोड़ 85 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया. इस संस्थान द्वारा अक्तूबर, 2013 से 12500 क्विंटल प्रजनक बीज चीनी मिलों को उपलब्ध कराया जायेगा. इससे दस गुना अधिक आधार बीज व फिर इससे दस गुना अधिक प्रमाणित बीज तैयार होगा. प्रमाणित बीज से किसान ईख का उत्पादन करेंगे.

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
फरवरी, 2013, पटना, माघ, कृष्ण पक्ष, एकादशी, विक्रम सम्वत, 2069 www.livehindustan.com

पांच वर्षों में दोगुना होगा चीनी का उत्पादन

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

राज्य की मुख्य फसल नहीं होने के कारण चीनी उत्पादन में भले हम पीछे रहे, लेकिन गन्ने की उत्पादकता और रिकवरी रेट में बिहार जल्द ही महाराष्ट्र और तामिलनाडु को मात देगा। इससे किसानों की आमदनी तो बढ़ेगी ही चीनी के मामले में हम आत्मनिर्भर भी होंगे।

भारतीय ईख अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआई) के साथ बीज उत्पादन का करार कर सरकार ने इस दिशा में पहला कदम बढ़ा दिया। गन्ना विकास मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा की उपस्थिति में विभाग के प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने एमओयू पर साइन किया। आईसीआरआई की ओर निदेशक डा. ए. सोलोमोन ने हस्ताक्षर किया।

गन्ने की उत्पादकता (प्रति हेक्टेयर)

राष्ट्रीय औसत	70 टन
बिहार	71.70 टन
महाराष्ट्र	114 टन
तामिलनाडु	110 टन

चीनी की रिकवरी रेट

राष्ट्रीय औसत	10.2 प्रतिशत
बिहार	9.2 प्रतिशत
महाराष्ट्र	11.3 प्रतिशत
तामिलनाडु	11.5 प्रतिशत

- उत्पादकता और रिकवरी रेट में महाराष्ट्र को मात देगा बिहार
- बीज उत्पादन के लिए आईसीआरआई से सरकार ने किया करार

समझौते के बाद प्रधान सचिव श्री कुमार ने बताया कि आईसीआरआई राज्य में गन्ना बीज उत्पादन करेगा। इसके लिए उसे हरिनगर चीनी मिल की 50 हेक्टेयर जमीन दी गई है। इस ब्रीडर बीज से चीनी मिलों की जमीन पर आधार बीज पैदा किया जाएगा। उसके बाद सर्टिफिकेशन कराकर बीज किसानों में बांटे जाएंगे। दो वर्षों में गन्ने की उत्पादकता के साथ चीनी का उत्पादन भी बढ़ जाएगा। लक्ष्य 2017 तक चीनी उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि नए कृषि रोड मैप में सरकार का जोर गन्ना उत्पादन बढ़ाने पर है। 2013-14 में किसानों को सरकार 16.25 लाख क्विंटल बीज अनुदानित दर पर देगी। इसके लिए 16 हजार दो सौ क्विंटल ब्रीडर बीज की जरूरत होगी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए आईसीआरआई के साथ एमओयू साइन किया गया है। इस संस्थान से जो भी ब्रीडर बीज मिलेंगे, उसके अलावा लगभग चार हजार क्विंटल बीज पूसा स्थित ईख अनुसंधान संस्थान देगा। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष राज्य में 48 लाख टन गन्ने की पेराई कर 4.5 लाख टन चीनी का उत्पादन किया गया है। इस वर्ष का लक्ष्य 68 लाख टन गन्ने की पेराई कर 5.5 लाख टन चीनी उत्पादन का है।

वर्ष 13 अंक 293
पृष्ठ 22+16=38
पटना, बुधवार
6 फरवरी 2013
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

गन्ने की उन्नत किस्मों के बूते बढ़ेगा चीनी उत्पादन

जागरण ब्यूरो, पटना : कृषि रोडमैप में निर्धारित चीनी उत्पादन के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य सरकार किसानों को गन्ने के उन्नत प्रभेदो (किस्मों) का बीज उपलब्ध कराएगी। इसके लिए गन्ना उद्योग विभाग और भारतीय इख अनुसंधान संस्थान के बीच मंगलवार को एक इकरारनामे(एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। अक्टूबर 2013 से किसानों को उन्नत बीज उपलब्ध होना आरंभ हो जाएगा। 2017 तक प्रदेश में 8 लाख मीट्रिक टन(एमटी) सालाना चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में अभी सालाना 4 लाख एमटी चीनी की खपत है। गन्ना उद्योग मंत्री अवधेश कुशवाहा ने कहा कि कृषि रोडमैप में निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अधिक उपजशील एवं गुणवत्तायुक्त गन्ना बीज की आवश्यकता है ताकि किसान अधिक रिकवरी एवं उत्पादकता देने वाले प्रभेदों को बुआई कर सकें।

गन्ना आयुक्त सुधीर कुमार ने बताया कि प्रदेश में गन्ना से चीनी की रिकवरी का रेट 9.24 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 10.2 प्रतिशत का है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु एवं कर्नाटक में तो रिकवरी रेल करीब 11 फीसद है।

- भारतीय ईख अनुसंधान संस्थान के साथ इकरारनामे पर हस्ताक्षर

गन्ना उत्पादन	
2012-13	48 लाख एमटी
2013-14(लक्ष्य)	60 लाख एमटी
चीनी उत्पादन	
2012-13	4.5 लाख एमटी
2013-14(लक्ष्य)	5.52 लाख एमटी
2017(लक्ष्य)	8 लाख एमटी
गन्ने की खेती	
2011-12	2.54 लाख हेक्टेयर
2012-13	2.92 लाख हेक्टेयर
2013-14(लक्ष्य)	322 लाख हेक्टेयर

बिहार की मुकम्मिल तस्वीर
प्रत्यूष नवबिहार

गन्ना किसानों को मिलेगा उन्नत बीज

भारतीय ईख अनुसंधान संस्थानऔर बिहार सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हुए हस्ताक्षर

संवाददाता पटना।

बिहार में गन्ना और चीनी उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के द्वार खुले, जब प्रदेश के गन्ना उद्योग मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा की उपस्थिति में प्रधान सचिव सुधीर कुमार तथा भारतीय ईख अनुसंधान संस्थान के निदेशक एस सोलोमॉन ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता के तहत पश्चिमी चम्पारण की हरिनगर चीनी मील की 50 हेक्टेयर भूमि तथा एक करोड़ रुपये का चेक संस्थान को दिया जा रहा है, जिससे गन्ना के ब्रीडर बीज का उत्पादन शुरू किया जाएगा, जो नियत समय एवं क्रमानुसार क्रमशः दस गुणा वृद्धि के साथ फाउण्डेशन बीज एवं सर्टिफाइड बीज के रूप में बिहार के किसानों को दिया जाएगा। इस अवसर पर गन्ना उद्योग राज्य मंत्री अवधेश प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि बिहार में गन्ना उत्पादन दर 71.70 टन प्रति हेक्टेयर तथा चीनी रिकवरी दर 9.24 प्रतिशत है। गत वर्ष 2.54 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ना उत्पादन, 48 लाख टन गन्ना पेराई तथा 4.5 लाख टन चीनी उत्पादन हुआ है। उन्होंने बताया कि बिहार के किसानों को उत्तम प्रभेदों के बीज का उपयोग करने, फसल के रख-रखाव तथा अत्याधुनिक तकनिक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा राज्य सरकार के स्तर पर ऐसे तमाम प्रयास किए जा रहे हैं कि वर्ष 16-17 तक प्रदेश में 8 लाख टन चीनी का उत्पादन होने लगे। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रधान सचिव ने बताया कि प्रदेश में कृषि रोड मैप के अन्तर्गत गन्ना और चीनी उत्पादन में वृद्धि के लिए गन्ना के क्वालिटी बीज किसानों को दिया जाना है। भारतीय ईख अनुसंधान संस्थान एक शोध संस्थान मोतीपुर में है, जो उन्नत भेदों के बीज उत्पादन में सहयोग करेगा। संस्थान के निदेशक एस सोलोमन ने बताया कि यह समझौता 5 वर्षों के लिए किया गया है। संस्थान द्वारा प्रति वर्ष 12500 क्विंटल प्रजनक बीज चीनी मिलों को आपूर्ति की जाएगी। गन्ना उद्योग विभाग द्वारा इस कार्य के निष्पादन के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष 1.851 करोड़ रुपया उपलब्ध करायी जा रही है। बीज चीनी मिलों को अक्टूबर, 2013 से उपलब्ध होना शुरू हो जाएगा। संस्थान द्वारा समझौता के अनुरूप आपूर्ति लक्ष्य का शत-प्रतिशत प्राप्ति होने के उपरान्त अगले वित्तीय वर्ष में प्रजनक बीज उत्पादन का लक्ष्य बढ़ाने पर भी विचार किया जाएगा। वर्ष 2013-14 में 16.25 लाख क्विंटल प्रमाणित गन्ना बीज अनुदानित दर पर गन्ना किसानों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए कुल लगभग 16250 क्विंटल प्रजनक बीज की व्यवस्था ईख अनुसंधान संस्थान, पूसा एवं राज्य के बाहर के गन्ना अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है। राज्य के गन्ना किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले उपजशील प्रभेदों की उपलब्धता सुनिश्चित होने पर राज्य के वर्तमान रिकवरी प्रतिशत 9.20 एवं उत्पादकता 75 प्रति हेक्टेयर में निश्चित रूप से वृद्धि होगी तथा रिकवरी प्रतिशत एवं उत्पादकता के मामले में बिहार महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु के समानान्तर पहुँच जाएगी।